

सत्संग शिक्षण परीक्षा

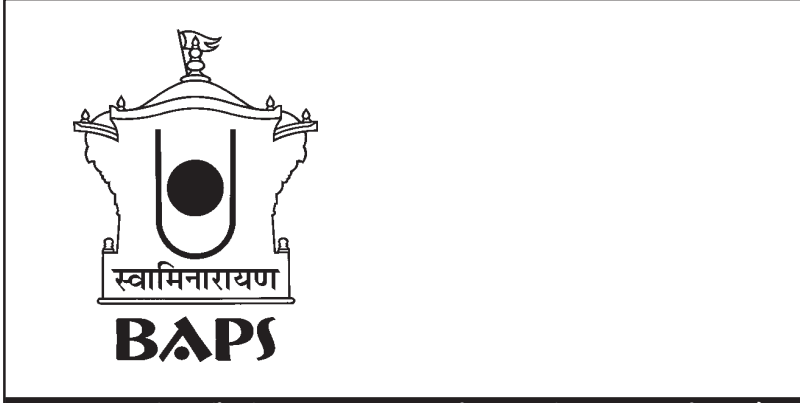
बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - १

रविवार, ७ जुलाई, २०१३

समय : सुबह ९.०० से १२.००

कुल गुण : १००



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>
----------------------	----------------------	----------------------	----------------------	----------------------	----------------------	----------------------	----------------------

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	

विभाग-१, कुल गुण (४७)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	

विभाग-२, कुल गुण (३८)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग भाटे ५

गुण शब्दोंमां

चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण →

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गिनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid**.
6. Marks for Question →

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।

(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) (कुल गुण : ६)

- | | |
|---|---|
| १. भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता । | २. परब्रह्म पुरुषोत्तम नारायण - एक एवं अद्वितीय । |
| ३. भगवान सर्वोपरि है यह निष्ठा आवश्यक है । | ४. प्रकट भक्ति की महिमा । |

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	
---------	--

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ६	नाम	प्र - २ गुण - ५	नाम
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. 'मूलजीशर्मणे दीक्षां ददानस्य प्रजायते ।'

गुण : १

२. 'यहाँ जो दिखाई देती है, ऐसी ही मूर्ति अक्षरधाम में हैं । उसमें लेशमात्र भी अंतर नहीं है ।'

गुण : १

३. यस्य देवे परभक्तिर्यथा देवे तथा गुरौ ।'

गुण : १

४. 'प्रत्यक्ष पुरुषोत्तमनारायण की मूर्ति में शक्कर के रस की मूर्ति की तरह त्यागभाव नहीं समझना चाहिए ।'

गुण : १

५. 'परोक्षथी भव तणो पार आवे नहि ।'

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगवान कर्ता कैसे हैं ?

गुण : २

(१) परमात्मा माया को भी अपने में लीन करने का सामर्थ्य रखते हैं ।

(२) कर्तुं, अकर्तुं, अन्यथा कर्तुम् ये तीन प्रकार की शक्तियाँ परमात्मा के पास ही होती हैं ।

(३) अक्षरब्रह्म सबके कारण, कर्ता तथा सामर्थवान हैं ।

(४) अक्षरब्रह्म देश, काल, कर्म और माया की सत्ता को जितना चलने देते हैं उतनी ही उनकी गतिविधि रहती है ।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ४	नाम	प्र - ४ गुण - ४	नाम
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----

२. सद् गुणातीतानंद स्वामी मूल अक्षर क्यों हैं ?

गुण : २

- (१) मूल अक्षर पण श्रीहरि संगे, मुक्त मंडळने लाव्या उमंगे राज ।
(२) जहाँ उन पुरुषोत्तम की मूर्ति है, वहीं अक्षरधाम का मध्यभाग है ।
(३) मध्यकुलमां धरी अवतार, श्रीहरि काज तज्यो संसार ।
(४) आवो हे अविनाशी, सुखना राशि, परब्रह्मना आधार ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. मालजी सोनी को गुणातीतानंद स्वामी की अक्षरब्रह्म के रूप में पहचान हुई ।
२. 'मेरा पैर निकालो, नहीं तो हड्डी टूट जाएगी ।'
३. वाघा खाचर की दृष्टि निरावरण हो गई ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत :

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. भगवान का केवल एक ही प्रकट स्वरूप होता है ।
२. 'स्वामी अक्षर हैं' उनके जीवन और कार्य के आधार पर ।
३. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि - गुणातीतानंद स्वामी के अनुसार ।
४. श्रीजीमहाराज सर्व कर्ता-हर्ता हैं ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	
---------	--

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	
---------	--

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ८	नाम
----------------------------------	--------------------	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ७)
(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. पुरुषोत्तम की प्रेरणा

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

रूप स्पष्ट भेद है । गुण : १

२. श्रीजीमहाराज सदा ही

.....

.....

..... निर्गुण कर देते हैं । गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७	नाम
----------------------------------	--------------------	-----

३. श्रीजीमहाराज पूर्ण पुरुषोत्तम

.....
.....
.....

..... प्रकट और दिव्य हैं । गुण : १

४. अक्षरब्रह्म का साधर्म्य

.....
.....
.....

..... अंत में तीनों रहते हैं । गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. पुरुषोत्तम नारायण

..... समान हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

६. सदगुरु गुणातीतानंद स्वामी

..... सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

७. वचनमृतादि

..... जा सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए । प्रकट भगवान या भगवान के संत द्वारा मोक्ष । (कुल गुण : ५)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ५		नाम
----------------------------------	--------------------	--	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [3] [] [2] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

- १. “जूनागढ़ जल्दी जाईए, वहाँ स्वामी आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं ।” अथवा
 - २. “भगवान हमारी कलाई पकड़ लेंगे, तभी हमारा उद्धार हो सकता है ?”
- () कौन कहता है ? किसको कहता है ?
- कब कहता है ?
-

गुण : ३	
---------	--

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ८	नाम
----------------------------------	---------------------	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	
---------	--

३. रतनसिंह का असाध्य चर्मरोग दूर हो गया । अथवा
४. सत्पुरुष के लिए भाषा के कोई बंधन नहीं होते ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. शिवलाल सेठ का अलौकिक ध्यान । अथवा
२. लालजी भक्त को भादरा में श्रीजीमहाराज के स्वरूप का दृढ़ निश्चय हुआ ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	
---------	--

३. निष्कंचन प्रमुखस्वामी महाराज । अथवा
४. सेवा की मूर्ति प्रमुखस्वामी महाराज ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८	नाम	प्र - १२ गुण - ५	नाम
----------------------------------	---------------------	-----	---------------------	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. निष्कलानंद स्वामी का जन्म कब हुआ था (संवत् और तिथि) ?

गुण : १

२. पर्वतभाई कितना अनाज लोज ले आए ?

गुण : १

३. कुशलकुंवरबा को सर्वप्रथम किस परमहंस का योग हुआ ?

गुण : १

४. नरेन्द्रप्रसाद स्वामी स्वामीश्री की दिव्यता में क्यों खो गए ?

गुण : १

५. स्वामीश्री ने भीषण गरमी में अपने जूते किसको दे दिए ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

